Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion o f the

World Philosophy Day- 18.11.2021

From **November 18th – 30th , 2021**

Tentative Lesson Plan

Lecture No.	Topic	Date	Time	Name of Guests/ Resource persons
	Inaugural Function			
	Jain Philosophy in Post Independence era			
1.	Revisiting Indian Modes of Philosophizing	**18.11.2021 Thursday**		**Prof. S.R. Bhat Former Chairman Indian council of philosophical Research, New Delhi**
2.	*New Research Trends in Jain Philosophy*			**Prof. Phool Chandra Jain Sampuraand Sanskrit University , Varanasi**
3.	***Contribution of Jain Philosophy in Post independence era***	**11.00 AM to 1.00 PM**		**Prof. Dhram chandra Jain Former H.O.D Jai Narain Vyas University Jodhpur**
	Buddhist Philosophy in Post Independence era **(23.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)**			
4.	**The Philosophy of Prajñāpāramitā**	**23.11.2021 (Day-2) Tuesday**	**4.00 to 5.00 PM**	**Prof. C. Upendra Roa School of Sanskrit and Indic Studies Jawaharlal Nehru University New Delhi 110067**
5.	***Important works of Buddhist Philosophy In Post independence era***		**5.00 to 6.00 PM**	**Prof. Ramesh Prasad Faculty of Shraman Vidya Sampuranand Sanskrit University , Varanasi**

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

Shankhya Yoga & Ayurveda Philosophy in Post Independence era (25.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)					
06.	*Shankhya Yoga Philosophy in the Post Independence era*	25.11.2021 (Day-3) Thursday	4.00 to 4.45 PM		Prof. Markandaya Nath Tiwari H. O. D. Dept. of Shankya Yoga Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
07.	*New Research Trends in yoga and Ayurveda Philosophy*		4.46 to 5.30 PM		Prof. Vijaypal Shastri Director Central Sanskrit University Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301
08.	*Ayurveda: A Philosophical point of view*		5.31 to 6.00 PM		Dr. Gopal Lal Meena Associate Professor School of Sanskrit and Indic Studies , J.N.U., New Delhi
Purva Mimansha and Vedanta Philosophy in Post Independence era (27.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)					
09.	*New Research Trends in Purva Mimansha Philosophy*	27.11.2021 (Day-4) Saturday	4.00 to 4.45 PM	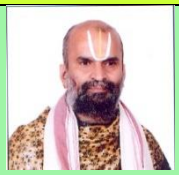	Prof. A.S. Aravamudan Department of Mimansha Shri L.B.S National Sanskrit University New Delhi
10.	*Vedanta Philosophy in the Post Independence era*		4.46 to 5.30 PM		Prof. Ram Nath Jha School of Sanskrit and Indic Studies , J.N.U., New Delhi
11.	*Belief and Knowledge : A Vedanta Point of View*		5.31 to 6.00 PM		Pujaya Acharya Raadhaa Celebrity Vedanta and Jyotish Expert Arshra vidya Gurukulam Rishikesh
Comparative view of Indian and western philosophy in Post Independence era (28.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)					
12.	***Research Trends in Contemporary Indian Philosophy***	28.11.2021 (Day-5) Sunday	4.00 to 5.00 PM		Prof. Rakesh Chandra Department of Philosophy University of lucknow Lucknow (U.P.)

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

13.	*A comparative view of Indian and western Philosophy*		28.11.2021 (Day-5) **Sunday** 5.00 to 6.00 PM		**Prof. Banmali Biswal** **Former Director** **H.O.D. (Vyakaran)** **Shri Raghunath Kirti Campus** **Devprayag-249301**

Valedictory Function

Nyaya Vaisheshika Philosophy in Post Independence era

(30.11.2021 , 4.00 PM to 6.00 PM)

14.	*New Research Trends in Nyaya -Vaisheshika Philosophy*	30.11.2021 (Day-6) Tuesday	4.00 to 4.45 PM		**Prof. Shashi Prabha** **EX-Vice chancellor** **Sanchi University of Buddhist –Indic Studies** **Sanchi Town, M.P.**
15.	*Nyaya -Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era*		4.46 to 5.30PM		**Dr. Pankaj Mishra** **Associate Professor** **Department of Sanskrit** **St. Stephen's College** **University of Delhi** **New Delhi**
16.	*Manuscript Based Research in Nyaya Vaisheshika Philosophy*		5.30 to 6.00 PM		**Prof. K. E. Madhusudanan** **Department of Nyaya** **Central Sanakrit University** **Guruvayur Campus** **Thrissur ,Kerala**

- **Registration is free of Cost.**
- **Registration Link https://forms.gle/UspxpFZW6M11kvLY9**
- **Certificate will be provided who will attend the Lecture series.**

Technical Coordinators

(Shri Naveen Dobriyal)

(Shri Pankaj Kotiyal)

Assistant Coordinators

(Dr. Shri Om Sharma)

(Dr.Anil Kumar)

(Dr.Shailendra Uniyal)

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Convenor

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

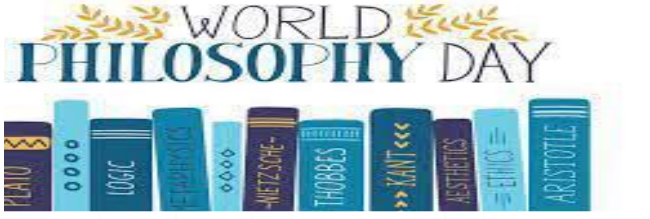

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः

श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसरः, देवप्रयागः, उत्तराखण्डः

भारतीयदार्शनिकानुसंधानपरिषद्, नयी दिल्ली की वित्तीयसहाय्यता से

आन्तरिकगुणवत्ता-आश्वासनप्रकोष्ठ एवं न्यायविभाग के संयुक्ततत्त्वावधान में

'विश्वदर्शनदिवस' के उपलक्ष्य में अन्ताराष्ट्रिय व्याख्यानमाला

विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर भारतीयदर्शन'

(दिनाङ्क- 18.11.2021 से 30.11.2021 पर्यन्त)

'विश्वदर्शनदिवस' व्याख्यानमाला का प्रतिवेदन

समय	दिनाङ्क - 18.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर जैनदर्शन' : दशा एवं दिशाएँ
प्रातः 11.00 से 1.00	उद्घाटन समारोह- केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग उत्तराखण्ड में भारतीय-दार्शनिक-अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली की वित्तीयसहायता से न्यायविभाग एवं आन्तरिक-गुणवत्ता-आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्वदर्शनदिवस' के उपलक्ष्य में 'स्वातन्त्र्योत्तर भारतीयदर्शन' विषयक अन्ताराष्ट्रिय व्याख्यानमाला का उद्घाटनसमारोह दिनाङ्क- 18/11/2021 को प्रातः 11.00 से 1.00 तक बजे तक आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. अवधेशचन्द्र बिज्लवाण, सहायकप्राध्यापक आंग्लभाषा, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग ने किया। वैदिकमंगलाचरण परिसर के वेदविभागीय आचार्य श्री अमन्दमिश्र ने किया। स्वागतभाषण परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने किया। उद्घाटनसमारोह में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. एस. आर. भट्ट, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली ने दिनाङ्क-18.11.2021 को प्रातः 11.00 से 12.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर भारतीयदर्शन का पुनरावलोकन करते हुए (**Revisiting Indian Modes of Philosophizing)** विषय पर

	विस्तृत व्याख्यान दिया। आपने भारतीय दर्शन को सर्वविद्याओं का प्रकाशक बताते हुए, भारतीय दर्शन के वर्तमान स्वरूप, दशा और दिशाओं पर प्रकाश डाला। भारतीय दर्शन के क्षेत्र में नयी संकल्पनाएँ रचने एवं नयी व्याख्या आदि नये कार्य करने के लिए प्रेरित किया। स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय व्याख्यान माला के उद्घाटन समारोह में प्रो. फूल चन्द्र जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी ने दिनाङ्क-18.11.2021 को प्रातः 11.00 से 1.30 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'स्वातन्त्र्योत्तर जैनदर्शन में नयी शोध प्रवृत्तियाँ' (**New Research Trends In Jain Philosophy**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने समसामयिक जैन दर्शन एवं धर्म क्षेत्र के शोध कार्यो, प्रवृतियों, पुस्तकों, प्रकाशनों एवं कोश ग्रन्थों पर व्यापक प्रकाश डाला। स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय व्याख्यान माला के उद्घाटन समारोह में प्रो. धर्मचन्द्र जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, दर्शन विभाग, जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर ने दिनाङ्क-18.11.2021 को प्रातः 11.00 से 1. 00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'स्वातन्त्र्योत्तर जैनदर्शन का भारतीय दर्शन को योगदान' (**Contribution of Jain Philosophy in the Post Independence era**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने जैन दर्शन परम्परा में स्वातन्त्र्योत्तर अद्यतन शोधकार्यो, पुस्तकों के प्रकाशन, समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक महत्व एवं रचनाधर्मिता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। आपने जैन धर्म एवं दर्शन के सिद्धान्तों पर वैदिक प्रभाव एवं जैन आचार मीमांसा पर प्रकाश डाला। सभी अतिथियों, प्राध्यापकों एवं प्रतिभागियों का धन्यवाद ज्ञापन श्री पंकज कोटियाल अतिथि प्राध्यापक (संगणक विज्ञान) आधुनिकविभाग ने किया ।
	दिनाङ्क - 23.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर बौद्धदर्शन' : दशा एवं दिशाएँ
4.00 से 6.00 तक	भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली के वित्तीय सहयोग से आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं न्यायविभाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क- 18. 11.2021 से 30.11.2021 पर्यन्त 'विश्व दर्शन दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित की गयी स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय व्याख्यान माला के

	स्वातन्त्र्योत्तर बौद्ध दर्शन सत्र के अन्तर्गत व्याख्यान माला का द्वितीय सत्र 23.11.2021 को सायं 4.00 से 6.00 बजे तक आयोजित किया गया। न्यायविभागीय अतिथि प्राध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदी ने द्वितीय दिवसीय 'स्वातन्त्र्योत्तर बौद्धदर्शन' सत्र में का संचालन किया। परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने सभी का स्वागत किया एवं विषय परिचय कराया। डॉ. विकास सिंह, सहायक आचार्य एवं अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, मारवाडी महाविद्यालय, ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा ने दिनाङ्क-23.11.2021 को सायं 4.00 से 4.30 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'बौद्धदर्शन का परिचय' पर विषयप्रवेश कराते हुए पर 15 मिनट व्याख्यान दिया। तदुपरान्त प्रो. चौडूरी उपेन्द्र रॉव, वरिष्ठ आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने सायं 4.00 से 5.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर प्रज्ञापरिमितादर्शनम् (**The Philosophy of Prajñāpāramitā**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने बौद्ध दर्शन में सम्यक् ज्ञान की अवधारणाओं से अवगत कराया। इसके बाद व्याख्यानमाला के स्वातन्त्र्योत्तर बौद्ध दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क-23.11.2021 को सायं 4.00 से 5.00 बजे तक प्रो. रमेश प्रसाद, संकायाध्यक्ष, श्रमण विद्या संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, ने ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'स्वातन्त्र्योत्तर बौद्धदर्शन में महत्वपूर्ण नवीन शोधकार्य' (**Important works of Buddhist Philosophy in Post indepenence era**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने आपने बौद्ध दर्शन परम्परा में स्वातन्त्र्योत्तर अद्यतन शोधकार्यो, पुस्तकों के प्रकाशन ,समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक महत्व एवं रचनाधर्मिता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन देवप्रयाग परिसर के पूर्वनिदेशक प्रो. बनमाली विश्वाल जी ने किया। आपने भी बौद्ध धर्म दर्शन के स्वरूप पर स्वरचित काव्य के माध्यम से प्रकाश डाला। उन्होंने बौद्ध धर्म एवं दर्शन का इतिहास बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के आधुनिकविभाग के अतिथि प्राध्यापक (आंग्ल भाषा) अवधेश विज्लवाण ने किया। व्याख्यानमाला के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क - 25.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर योग एवं आयुर्वेद दर्शन': दशा एवं दिशाएँ
4.00 से 6.00 तक	भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली के वित्तीय सहयोग से आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं न्यायविभाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,

	श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क- 18.11.2021 से 30.11.2021 पर्यन्त 'विश्व दर्शन दिवस' उपलक्ष्य में आयोजित की गयी स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक-अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय-व्याख्यानमाला के स्वातन्त्र्योत्तर सांख्य योग तथा आर्युवेद दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क- 25.11.2021 को सायं 4.00 से 4.45 बजे व्याख्यान का आयोजन किया गया। सत्र का संचालन परिसरीय वेद विभाग के सहायक आचार्य शैलेन्द्र उनियाल ने किया। परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही स्वागतभाषण कर विषय से परिचित करवाया। तदुपरान्त प्रो. मार्कण्यनाथ तिवारी, अध्यक्ष, सांख्ययोगविभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर स्वातन्त्र्योत्तर सांख्य योग दर्शन (**Shankhya Yoga Philosophy in the post independence era**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने आपने सांख्य योग दर्शन की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराते हुए समसामयिक सांख्ययोग दर्शन एवं धर्म क्षेत्र के शोध कार्यो, प्रवृतियों, पुस्तकों, प्रकाशनों एवं कोश ग्रन्थों पर व्यापक प्रकाश डाला। इसके बाद आयुर्वेद सत्र के अन्तर्गत डॉ. गोपाल लाल मीना, सह-आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहर लाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने सांख्य योग तथा आर्युवेद दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क- 25.11.2021 को सायं 5.31 से 6.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर आयुर्वेदशास्त्र का दर्शनशास्त्रीय स्वरूप (**Ayurveda: A Philosophical point of view)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने आपने सांख्य योग दर्शन की मूलभूत अवधारणाओं से परिचित कराते हुए स्वातन्त्र्योत्तर आयुर्वेद के महत्व को समझाते हुए अद्यतन शोधकार्यो, पुस्तकों के प्रकाशन ,समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक महत्व एवं रचनाधर्मिता पर प्रकाश डाला। आपने आयुर्वेद के सम्प्रसार पर बल दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. विजयपाल शास्त्री, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) ने किया। आपने सांख्य योग तथा आर्युवेद दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क- 25.11.2021 को सायं 4.46 से 5.30 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'योग एवं आयुर्वेद के क्षेत्र में नवीन शोधप्रवृतियॉ' (**New Research Trends in Yoga and Ayurveda Philosophy**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया।

	आपने भी योग दर्शन एवं आयुर्वेदशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आपने आयुर्वेदशास्त्र का इतिहास, आचार्य परम्परा, ग्रन्थपरम्परा एवं जीवन उपयोगी सूत्रों पर प्रकाश डाला। आपने दैनिक जीवन में आयुर्वेद के महत्व से अवगत कराते हुए कोराना काल में आयुर्वेद के महत्व पर प्रकाश डाला। आपने विस्तृत चर्चा करते हुए प्रतिभागियों की शंकाओं एवं प्रश्नों का समाधान भी किया। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के न्यायविभागीय अध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदी ने किया। कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क - 27.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर पूर्व मीमांसा एवं वेदान्तदर्शन ': दशा एवं दिशाएँ
4.00 से 6.00 तक	भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली के वित्तीय सहयोग से आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं न्यायविभाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्व दर्शन दिवस' उपलक्ष्य में आयोजित की गयी स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक-अन्तर्जालीय- अन्तर्राष्ट्रिय-व्याख्यानमाला के स्वतन्त्र्योत्तर पूर्व मीमांसा तथा वेदान्त दर्शन सत्र का संचालन परिसर के व्याकरण विभाग के संविदा प्राध्यापक श्रीओमशर्मा ने किया। परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही सभी का स्वागत कर एवं विषयप्रवेश किया। प्रो. ए. एस. आर्वामुदन, आचार्य एवं अध्यक्ष, मीमांसा विभाग, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संसकृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने दिनाङ्क- 27.11.2021 को सायं 4.00 से 4.45 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'पूर्व मीमांसा दर्शन के क्षेत्र में नवीन शोधप्रवृतियॉ' (**New Research Trends Purva Mimansha Philosophy**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। स्वातन्त्र्योत्तर काल में शोधकार्यो, पुस्तकों के प्रकाशन ,समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक महत्व पर प्रकाश डाला । अद्यतन काल में मीमांसा दर्शन के महत्व को समझाते हुए नये शोध कार्य करने पर बल दिया। इसके बाद याख्यानमाला के स्वतन्त्र्योत्तर पूर्वमीमांसा तथा वेदान्त दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क- 27.11.2021 को सायं 4.46 से 5.30 बजे तक प्रो. राम नाथ झा, वरिष्ठ आचार्य, संस्कृत एवं प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहर लाल नेहरु संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने ऑनलाइन उपस्थित रहकर स्वतन्त्र्योत्तर वेदान्त दर्शन **(Vedanta Philosophy in the Post Independence era)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने विज्ञान एवं वेदान्त दर्शन के अन्तः सम्बन्धों को स्पष्ट

	करते हुए प्रतिभागियों को वेदान्त दर्शन के क्षेत्र में नये शोधकार्य करने के लिए प्रेरित किया। आपने समकालीन सन्दर्भो में वेदान्त के महत्व पर प्रकाश डाला। इसके बाद पूज्या आचार्य राधा, वेदान्त एवं ज्योतिष विशेषज्ञा, ऋषिकेश-उत्तराखण्ड ने सायं 5.31 से 6.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'आस्था एवं ज्ञानः वेदान्त दर्शन की दृष्टि से' (**Belief and Knowledge: A vedanta point of view)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। आपने भी वेदान्तशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आपने वेदान्तशास्त्र का इतिहास बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के न्यायविभागीय अध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदी ने किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क - 28.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय एवं पाश्चात्यदर्शन का तुलनात्मक स्वरूप'
4.00 से 6.00 तक	दिनाङ्क- 28.11.2021 को सायं 4.00 से 6.00 बजे तक भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली के वित्तीय सहयोग से आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं न्यायविभाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्व दर्शन दिवस' उपलक्ष्य में स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक- अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय -व्याख्यानमाला के स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन सत्र का आयोजन किया गया । परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही स्वागतभाषण कर विषय से परिचित कराया। प्रो. बनमाली बिश्वाल, पूर्व निदेशक एवं सम्प्रति व्याकरण विभागाध्यक्ष, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड), ने के अन्तर्गत ऑनलाइन उपस्थित रहकर भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन का तुलनात्मक स्वरुप (**A comparative view of Indian and western philosophy)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने स्वरचित ग्रन्थ भारतीय दर्शन काररिका एवं पाश्चात्य दर्शन कारिका के द्वारा विस्तृत व्याख्यान देते हुए पाश्चात्य दर्शन के दार्शनिकों, वाद एवं सिद्धान्तों से परिचित कराया। प्रो. राकेश चन्द्र, संकायाध्यक्ष, दर्शन संकाय, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश ने स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक-अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय-व्याख्यानमाला के स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क-28.11.2021 को सायं 4.00 से 6.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'समकालीन

	भारतीयदर्शन की शोधप्रवृत्तियाँ' (**Research Trends in Contemporary Indian Philosophy**) विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने भारतीय एवं पाश्चात्य दर्शन की भ्रान्त अवधारणाओं का खण्डन करते हुए ज्ञान की सत्यता पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। आपने भी दर्शनशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। भारतीयदर्शन के महत्व एवं इतिहास बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के न्यायविभागीय अध्यापक श्रीजनार्दन सुवेदी ने किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।
	दिनाङ्क - 30.11.2021 के कार्यक्रम का विवरण विषय- 'स्वातन्त्र्योत्तर न्याय वैशेषिकदर्शन': दशा एवं दिशाएँ
4.00 से 6.00 तक	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग उत्तराखण्ड में भारतीय-दार्शनिक-अनुसन्धान-परिषद्, नयी दिल्ली की सहायता से न्यायविभाग एवं आन्तरिक-गुणवत्ता-आश्वासन प्रकोष्ठ के संयुक्त तत्त्वावधान में न्यायविभाग द्वारा 'विश्व दर्शन दिवस' उपलक्ष्य में स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक-अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय-व्याख्यानमाला का अयोजन किया गया, जिसका समापन समारोह 20/11/2021 को सायं 5.00 से 6.30 तक बजे तक आयोजित किया गया था। सम्पूर्तिसमारोह मे सञ्चान डॉ. अनिल कुमार, सहायक आचार्य, साहित्य, श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर ने किया। परिसरीय न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही सभी का स्वागत कर विषय परिचय कराया। वैदिकमंगलाचरण परिसर के वेदविभागीय आचार्य श्री अमन्द मिश्र जी ने एवं लौकिक मंगलाचरण व्याकरण विभागीय आचार्य डॉ. मनीष शर्मा ने किया। स्वागत भाषण परिसरीस न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने किया। समापनसमारोह में न्यायविभागाध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने व्याख्यानमाला का विस्तृत प्रतिवेदन भी प्रस्तुत किया। भारतीय दार्शनिक अनुसन्धान परिषद्, नयी दिल्ली की वित्तीय सहायता से आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ (IQAC) एवं न्यायविभाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड) के संयुक्त तत्त्वावधान में 'विश्व दर्शन दिवस' उपलक्ष्य में आयोजित की गयी स्वातन्त्र्योत्तर भारतीय दर्शन विषयक-अन्तर्जालीय-अन्तर्राष्ट्रिय-व्याख्यानमाला के स्वतन्त्र्योत्तर न्याय वैशेषिक दर्शन सत्र के अन्तर्गत सम्पूर्ति समारोह में मुख्यातिथि के रूप मे प्रो. शशि प्रभा कुमार, पूर्व कुलपति, साँची बौद्ध एवं प्राच्य विद्या विश्वविद्यालय, साँची मध्य प्रदेश ने दिनाङ्क- 30. 11.2021 को सायं 4.00 से 5.00 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर 'स्वातन्त्र्योत्तर

	वैशेषिक दर्शन में नयी शोधप्रवृत्तियाँ' (**New Research Trends In Vaisheshika Philosophy)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने वैशेषिक दर्शन के क्षेत्र में नये शोध कार्यो के लिए प्रेरित किया। आपने न्याय वैशेषिक दर्शन परम्परा में स्वातन्त्र्योत्तर अद्यतन शोधकार्यो, पुस्तकों के प्रकाशन, समकालीन प्रासंगिकता, सामाजिक महत्व एवं रचनाधर्मिता पर प्रकाश डाला। डॉ. पंकज मिश्र, सह-आचार्य, संस्कृत विभाग, सेन्ट स्टीफन्स महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, नयी दिल्ली ने स्वतन्त्र्योत्तर न्याय वैशेषिक दर्शन सत्र के अन्तर्गत दिनाङ्क- 30.11.2021 को सायं 4.00 से 6.30 बजे तक ऑनलाइन उपस्थित रहकर स्वातन्त्र्योत्तर वैशेषिक दर्शन (**Nyaya-Vaisheshika Philosophy in the post Independence era)** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान दिया। आपने समसामयिक वैशेषिक दर्शन आचार्य परम्परा ग्रन्थ परम्परा एवं पारिभाषिक शब्दावली पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए वैशेषिक दर्शन के क्षेत्र के शोध कार्यो, प्रवृतियों, पुस्तकों, प्रकाशनों एवं कोश ग्रन्थों पर व्यापक प्रकाश डाला। आपने नव्यन्यायभाषाप्रदीप ग्रन्थ का अन्तर्राष्ट्रिय भाषाओं (यथा अंग्रेजी, फ्रेंच, जपानीज) में अनुवाद करने एवं पढाने पर बल दिया। ताकि भारतीय विद्वानों के कार्य विश्वपटल पर प्रकाशित हो सकें। साथ ही न्यायशास्त्रीय ग्रन्थों का प्रान्तीय क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद करने का निवेदन किया ताकि न्यायशास्त्र का सम्प्रसार जन भाषाओं में हो सकें एवं न्यायशास्त्र के द्वारा वैज्ञानिक एवं तार्किक चिन्तन का विकास हो सकें। अध्यक्षीय उद्बोधन परिसरीय माननीय निदेशक प्रो. विजयपाल शास्त्री जी ने किया। आपने भी न्यायशास्त्र की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। आपने न्यायशास्त्र का इतिहास बताते हुए विस्तृत जानकारी दी। धन्यवाद ज्ञापन परिसर के व्याकरणविभागीय प्राध्यापक डॉ. मनीष शर्मा ने किया। कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही ने व्याख्यानमाला के सफल आयोजन के लिए सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। सामूहिक शान्तिपाठ के साथ सत्र समापन हुआ।

डॉ. सच्चिदानन्द स्नेही
समन्वयक,
सह-आचार्य, न्यायविभाग
श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर, देवप्रयाग-249301

प्रो. विजयपालशास्त्री
निदेशक,

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

Shankhya Yoga & Ayurveda Philosophy in the Post Independence era **(25.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)**					
06.	*Shankhya Yoga Philosophy in the Post Independence era*	25.11.2021 (Day-3) Thursday	4.00 to 4.45 PM		Prof. Markandaya Nath Tiwari H. O. D. Dept. of Shankya Yoga Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi
07.	*New Research Trends in yoga and Ayurveda Philosophy*		4.46 to 5.30 PM		Prof. Vijaypal Shastri Director Central Sanskrit University Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301
08.	*Ayurveda: A Philosophical point of view*		5.31 to 6.00 PM		Dr. Gopal Lal Meena Associate Professor School of Sanskrit and Indic Studies , J.N.U., New Delhi
Purva Mimansha and Vedanta Philosophy in the Post Independence era **(27.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)**					
09.	*New Research Trends in Purva Mimansha Philosophy*	27.11.2021 (Day-4) Saturday	4.00 to 4.45 PM		Prof. A.S. Aravamudan Department of Mimansha Shri L.B.S National Sanskrit University New Delhi
10.	*Vedanta Philosophy in the Post Independence era*		4.46 to 5.30 PM		Prof. Ram Nath Jha School of Sanskrit and Indic Studies , J.N.U., New Delhi
11.	*Belief and Knowledge : A Vedanta Point of View*		5.31 to 6.00 PM		Pujaya Acharya Raadhaa Celebrity Vedanta and Jyotish Expert Arshra vidya Gurukulam Rishikesh
Comparative view of Indian and western philosophy in the Post Independence era **(28.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)**					
12.	***Research Trends in Contemporary Indian Philosophy***	28.11.2021 (Day-5) Sunday	4.00 to 5.00 PM		Prof. Rakesh Chandra Department of Philosophy University of lucknow Lucknow (U.P.)

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

13.	*A comparative view of Indian and western Philosophy*		28.11.2021 (Day-5) **Sunday** 5.00 to 6.00 PM		**Prof. Banmali Biswal** **Former Director** **H.O.D. (Vyakaran)** **Shri Raghunath Kirti Campus** **Devprayag-249301**
Valedictory Function ***Nyaya Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era*** **(30.11.2021 , 4.00 PM to 6.00 PM)**					
14.	*New Research Trends in Nyaya -Vaisheshika Philosophy*	30.11.2021 (Day-6) Tuesday	4.00 to 4.45 PM		**Prof. Shashi Prabha** **EX-Vice chancellor** **Sanchi University of Buddhist –Indic Studies** **Sanchi Town, M.P.**
15.	*Nyaya -Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era*		4.46 to 5.30PM		**Dr. Pankaj Mishra** **Associate Professor** **Department of Sanskrit** **St. Stephen's College** **University of Delhi** **New Delhi**
16.	*Manuscript Based Research in Nyaya Vaisheshika Philosophy*		5.30 to 6.00 PM		**Prof. K. E. Madhusudanan** **Department of Nyaya** **Central Sanakrit University** **Guruvayur Campus** **Thrissur ,Kerala**

- **Registration is free of Cost.**
- **Registration Link https://forms.gle/UspxpFZW6M11kvLY9**
- **Certificate will be provided who will attend the Lecture series.**

Technical Coordinators

(Shri Naveen Dobriyal)

(Shri Pankaj Kotiyal)

Assistant Coordinators

(Dr. Shri Om Sharma)

(Dr.Anil Kumar)

(Dr.Shailendra Uniyal)

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Convenor

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

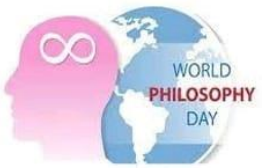

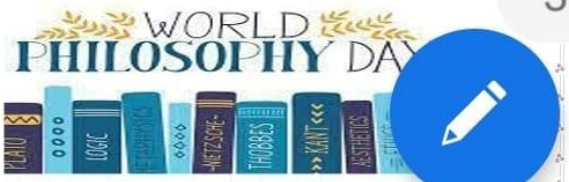

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day- 18.11.2021

From **November 18th – 30th, 2021**

Inaugural Function

18.11.2021 (Thursday)

11.00 AM to 1.00 PM

Program

LIVE

Jain Philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons	
1.	Session Convenor		Dr. Avdhesh chandra Bijlwan Assistant Professor GT (English) Department of Modern Subjects
2.	Welcome By		Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor Department of Nyaya Philosophy **5 Minutes**
3.	Revisiting Indian Modes of Philosophizing		Prof. S.R. Bhat Former Chairman Indian council of philosophical Research, New Delhi **30 Minutes**
4.	*New Research Trends in Jain Philosophy*		Prof. Phool Chandra Jain Sampuraand Sanskrit University , Varanasi **30 Minutes**
5.	*Contribution of Jain Philosophy in the Post independence era*		Prof. Dhram chandra Jain Former H.O.D Jai Narain Vyas University Jodhpur **30 Minutes**
6.	Chairperson		Prof. Vijaypal Shastri Director Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301 **20 Minutes**
7.	Vote of Thanks		Shri Pankaj Kotiyal Assistant Professor GT (Computer Science) Department of Modern Subjects **5 Minutes**

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day

From **November 18th – 30th, 2021**

(23.11.2021)

(4.00 PM to 6.00 PM)

Program

Buddhist Philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons	
1.	Session Convenor		Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	
2.	Welcome By		Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes
3.	Introduction		Dr. Vikas Singh Assistant Professor & Head Department of Sanskrit Marwari College L.N.M.U., Darbhanga, Bihar	10 Minutes
4.	The Philosophy of Prajñāpāramitā		Prof. C. Upendra Rao School of Sanskrit and Indic Studies Jawaharlal Nehru University New Delhi 110067	45 Minutes
5.	*Important works of Buddhist Philosophy In the Post independence era*		Prof. Ramesh Prasad Dean, Faculty of Shraman Vidya Sampuranand Sanskrit University , Varanasi	45 Minutes
6.	Chairperson		Prof. Vijaypal Shastri Director Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301	10 Minutes
7.	Vote of Thanks		Dr. Avdhesh chandra Bijlwan Assistant Professor GT (English) Department of Modern Subjects Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day

From **November 18th – 30th, 2021**

(25.11.2021)

(4.00 PM to 6.00 PM)

Program

LIVE

Shankhya Yoga & Ayurveda Philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons	
1.	Session Convenor	Dr. Shailendra Uniyal Assistant Professor & Head Department of Veda Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	
2.	Welcome By	Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes
3.	*Shankhya Yoga Philosophy in the Post Independence era*	Prof. Markandaya Nath Tiwari H. O. D. Dept. of Shankya Yoga Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi	45 Minutes
4.	*Ayurveda: A Philosophical point of view*	Dr. Gopal Lal Meena Associate Professor School of Sanskrit and Indic Studies J.N.U., New Delhi	45 Minutes
5.	*New Research Trends in yoga and Ayurveda Philosophy*	Prof. Vijaypal Shastri Director & Head Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301 **(Chairperson)**	20 Minutes
6.	Vote of Thanks	Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day

From November 18th – 30th, 2021

(27.11.2021)

(4.00 PM to 6.00 PM)

Program

LIVE

Purva Mimansha and Vedanta Philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons	
1.	Session Convenor	Dr. Shri Om Sharma Assistant Professor Department of Vyakaran Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	
2.	Welcome By	Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes
3.	*New Research Trends in Purva Mimansha Philosophy*	Prof. A.S. Aravamudan Department of Mimansha Shri L.B.S National Sanskrit University New Delhi	30 Minutes
4.	*Vedanta Philosophy in the Post Independence era*	Prof. Ram Nath Jha School of Sanskrit and Indic Studies J.N.U., New Delhi	30 Minutes
5.	*Belief and Knowledge : A Vedanta Point of View*	Pujaya Acharya Raadhaa Celebrity Vedanta and Jyotish Expert Arshra Vidya Gurukulam Rishikesh	30 Minutes
6.	Chairperson	Prof. Vijaypal Shastri Director & Head Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301	20 Minutes
7.	Vote of Thanks	Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day

From **November 18th – 30th, 2021**

(28.11.2021)

(4.00 PM to 6.00 PM)

Program

Comparative view of Indian and western philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons		
1.	Session Convenor		Dr. Anil Kumar Assistant Professor Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	
2.	Welcome By		Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes
3.	***Research Trends in the Contemporary Indian Philosophy***		Prof. Rakesh Chandra Department of Philosophy University of lucknow Lucknow (U.P.)	45Minutes
4.	***A comparative view of Indian and western Philosophy***		Prof. Banmali Biswal Former Director H.O.D. (Vyakaran) Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301	45 Minutes
5.	Chairperson		Prof. Vijaypal Shastri Director & Head Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301	20 Minutes
6.	Vote of Thanks		Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301	5 Minutes

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Central Sanskrit University

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day

From **November 18th – 30th, 2021**

(30.11.2021)

(4.00 PM to 6.00 PM)

Program

Valedictory Function

Nyaya Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era

Sr. No.	Topic	Guests/ Resource Persons	
1.	Session Convenor		Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301
2.	Welcome By		Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301 — 5 Minutes
3.	*New Research Trends in Nyaya - Vaisheshika Philosophy*		Prof. Shashi Prabha EX-Vice chancellor Sanchi University of Buddhist –Indic Studies Sanchi Town, M.P. — 30 Minutes
4.	*Nyaya -Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era*		Dr. Pankaj Mishra Associate Professor Department of Sanskrit St. Stephen's College University of Delhi,New Delhi — 30 Minutes
5.	*Manuscript Based Research in Nyaya Vaisheshika Philosophy*		Prof. K. E. Madhusudanan Department of Nyaya Central Sanakrit University Guruvayur Campus Thrissur ,Kerala — 30 Minutes
6.	Chairperson		Prof. Vijaypal Shastri Director & Head Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301 — 20 Minutes
7.	Vote of Thanks		Shri Manish Sharma Assistant Professor (GT) Department of Vyakaran Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301 — 5 Minutes

(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator

(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

Dates of Program 18.11.2021

updated WPD Program+banner-3 PDF

ICPR

Shri Raghunath kirti Campus

Devprayag -249301

I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on

Post independence Indian Philosophy

On the occasion of the

World Philosophy Day- 18.11.2021

From November 18th – 30th , 2021

Tentative Lesson Plan

Azadi Ka Amrit Mahotsav

WORLD PHILOSOPHY DAY

Lecture No.	Topic	Date	Time	Name of Guests/ Resource persons
Inaugural Function (zoom, f LIVE)				
Jain Philosophy in the Post Independence era				
1.	Revisiting Indian Modes of Philosophizing	18.11.2021 Thursday	11.00 AM to 1.00 PM	Prof. S.R. Bhat Former Chairman Indian council of philosophical Research, New Delhi
2.	*New Research Trends in Jain Philosophy*			Prof. Phool Chandra Jain Sampuraand Sanskrit University , Varanasi
3.	*Contribution of Jain Philosophy in Post independence era*			Prof. Dhram chandra Jain Former H.O.D Jai Narain Vyas University Jodhpur
Buddhist Philosophy in the Post Independence era (23.11.2021 = 4.00 PM to 6.00 PM)				
4.	The Philosophy of Prajñāpāramitā	23.11.2021 (Day-2) Tuesday	4.00 to 5.00 PM	Prof. C. Upendra Roa School of Sanskrit and Indic Studies Jawaharlal Nehru University New Delhi 110067
5.	*Important works of Buddhist Philosophy In Post independence era*		5.00 to 6.00 PM	Prof. Ramesh Prasad Faculty of Shraman Vidya Sampuranand Sanskrit University , Varanasi

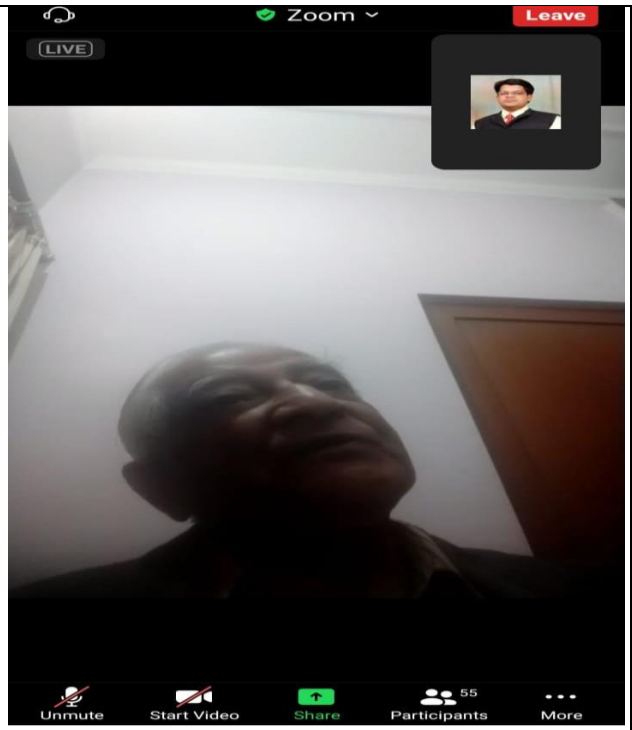

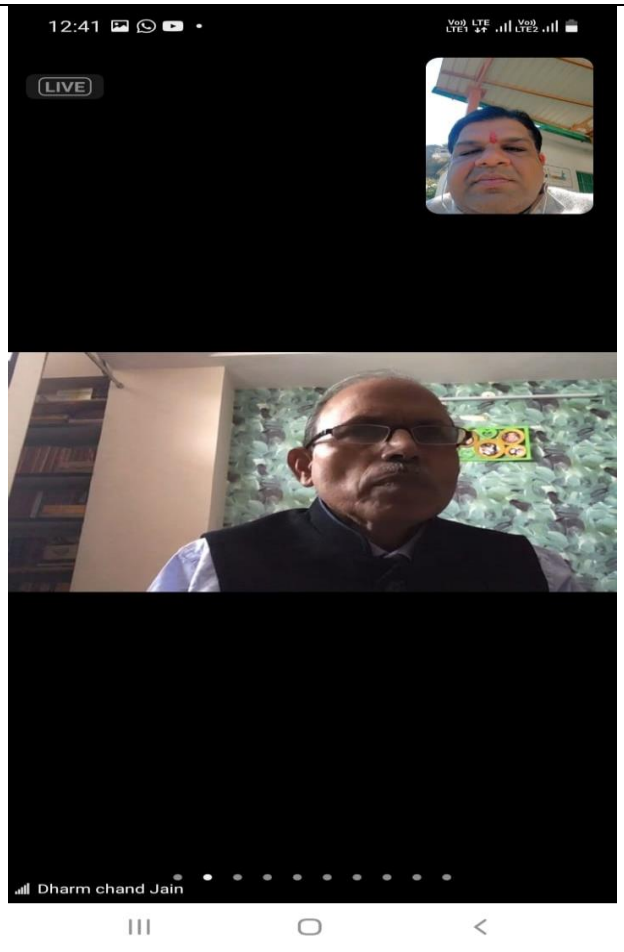

23.11. 2021	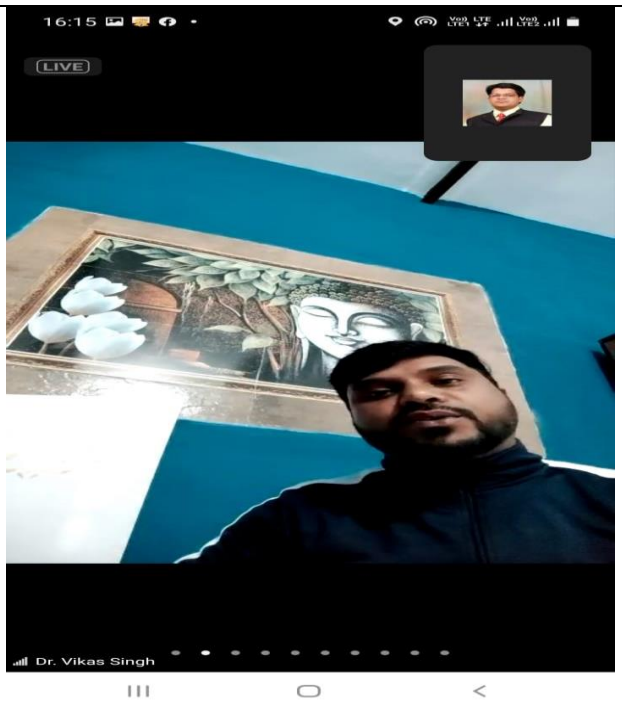16:15 LIVE Dr. Vikas Singh	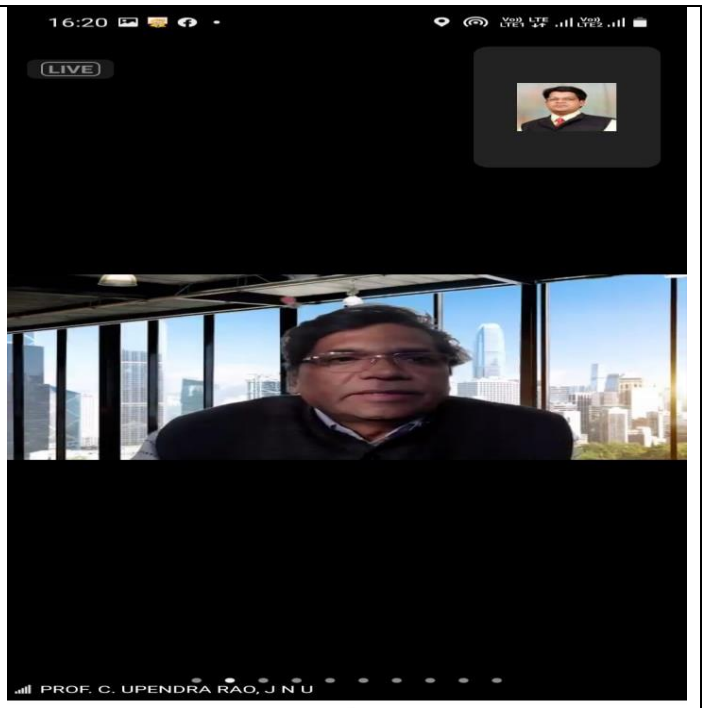16:20 LIVE PROF. C. UPENDRA RAO, J N U
	Zoom Meeting PROF. C. UPENDRA R... Prof. Ramesh Prasad Janardan Jyoti Kumari Manoj L. C. Maurya LIVE on Facebook	Central Sanskrit University Shri Raghunath kirti Campus Devprayag -249301 I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on Post independence Indian Philosophy On the occasion of the World Philosophy Day From November 18th – 30th, 2021 (23.11.2021) (4.00 PM to 6.00 PM) Program LIVE Buddhist Philosophy in the Post Independence era Sr. No Topic Guests/ Resource Persons 1. Session Convenor 2. Welcome By 3. Introduction 4. The Philosophy of Prajñāpāramitā 5. Important works of Buddhist Philosophy In the Post independence era 6. Chairperson 7. Vote of Thanks 5 Minutes 10 Minutes 45 Minutes 45 Minutes 10 Minutes 5 Minutes (Dr.Sachchidanand Snehi) Co-ordinator (Prof. Vijaypal Shastri) Director

25.11. 2021	 **Central Sanskrit University** Shri Raghunath kirti Campus Devprayag -249301 I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on *Post independence Indian Philosophy* On the occasion of the **World Philosophy Day** From November 18th – 30th, 2021 (25.11.2021) (4.00 PM to 6.00 PM) **Program** LIVE *Shankhya Yoga & Ayurveda Philosophy in the Post Independence era* Sr. No. / Topic / Guests/ Resource Persons 1. Session Convenor — Dr. Shailendra Uniyal, Assistant Professor & Head, Department of Veda, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301 2. Welcome By — Dr. Sachchidanand Snehi, Associate Professor & Head, Department of Nyaya Philosophy, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag- 249301 — 5 Minutes 3. *Shankhya Yoga Philosophy in the Post Independence era* — Prof. Markandaya Nath Tiwari, H. O. D., Dept. of Shankya Yoga, Shri L.B.S. National Sanskrit University, New Delhi — 45 Minutes 4. *Ayurveda: A Philosophical point of view* — Dr. Gopal Lal Meena, Associate Professor, School of Sanskrit and Indic Studies, J.N.U., New Delhi — 45 Minutes 5. *New Research Trends in yoga and Ayurveda Philosophy* — Prof. Vijaypal Shastri, Director & Head, Department of Sahitya, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301, (Chairperson) — 20 Minutes 6. Vote of Thanks — Shri Janardan Subedi, Assistant Professor (GT), Department of Nyaya Philosophy, Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301 — 5 Minutes (Dr.Sachchidanand Snehi) Co-ordinator (Prof. Vijaypal Shastri) Director	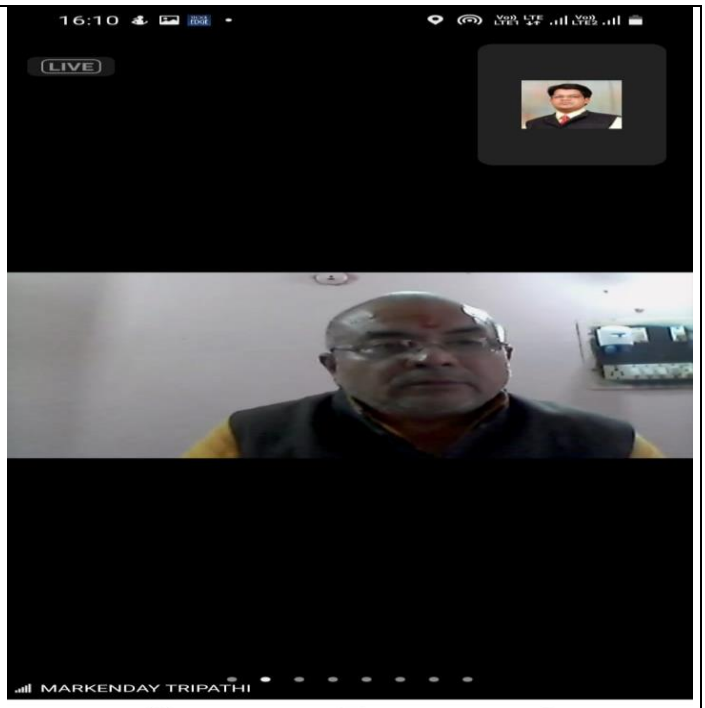 16:10 LIVE MARKENDAY TRIPATHI
	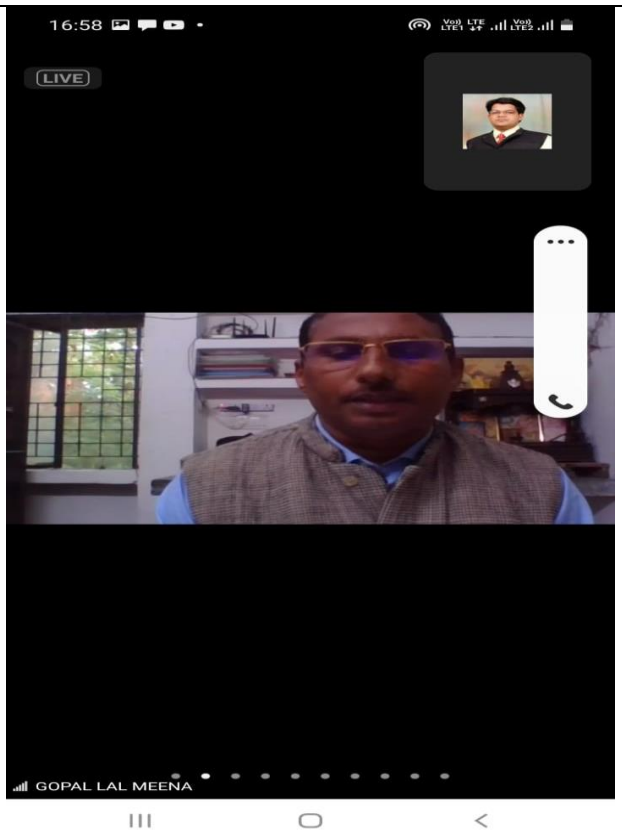 16:58 LIVE GOPAL LAL MEENA	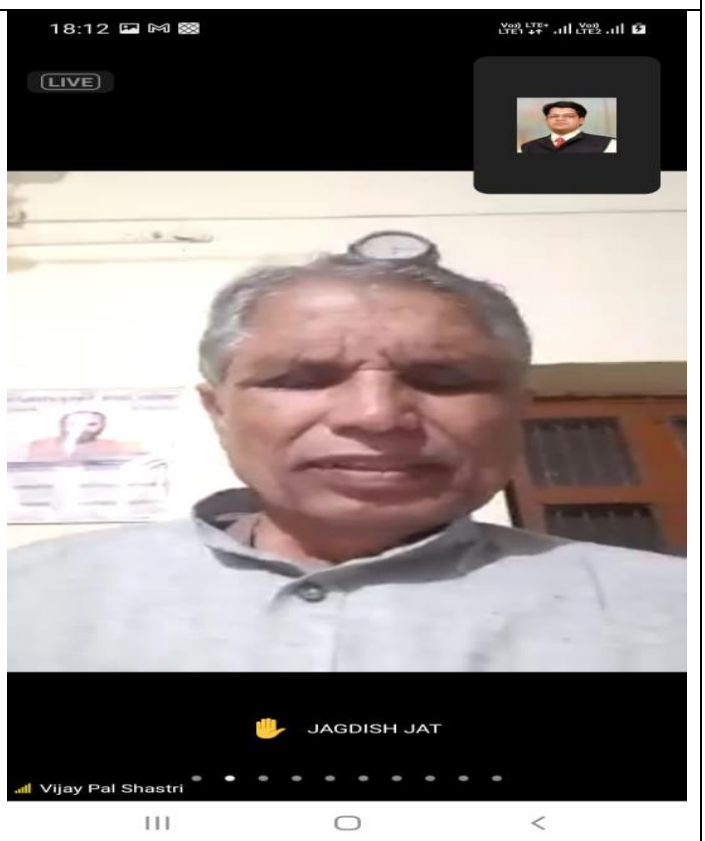 18:12 LIVE JAGDISH JAT Vijay Pal Shastri

27.11.
2021

Central Sanskrit University
Shri Raghunath kirti Campus
Devprayag -249301
I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture
Series on
Post independence Indian Philosophy
On the occasion of the
World Philosophy Day
From November 18th – 30th, 2021
(27.11.2021)
(4.00 PM to 6.00 PM)
ICPR
Azadi Ka Amrit Mahotsav
WORLD PHILOSOPHY DAY
zoom
Program
LIVE
Purva Mimansha and Vedanta Philosophy in the Post Independence era
Sr. No.
Topic
Guests/ Resource Persons
1. Session Convenor
Dr. Shri Om Sharma Assistant Professor Department of Vyakaran Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301
2. Welcome By
Dr. Sachchidanand Snehi Associate Professor & Head Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301
5 Minutes
3. New Research Trends in Purva Mimansha Philosophy
Prof. A.S. Aravamudan Department of Mimansha Shri L.B.S National Sanskrit University New Delhi
30 Minutes
4. Vedanta Philosophy in the Post Independence era
Prof. Ram Nath Jha School of Sanskrit and Indic Studies J.N.U., New Delhi
30 Minutes
5. Belief and Knowledge : A Vedanta Point of View
Pujaya Acharya Raadhaa Celebrity Vedanta and Jyotish Expert Arshra Vidya Gurukulam Rishikesh
30 Minutes
6. Chairperson
Prof. Vijaypal Shastri Director & Head Department of Sahitya Shri Raghunath Kirti Campus Devprayag-249301
20 Minutes
7. Vote of Thanks
Shri Janardan Subedi Assistant Professor (GT) Department of Nyaya Philosophy Shri Raghunath Kirti Campus, Devprayag-249301
5 Minutes
(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator
(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

16:08
LIVE
Aravamudan.A.S

17:01
Zoom
Leave
LIVE
Unmute
Start Video
Share
24
Participants
6
More

17:42
LIVE
Raadhaa Acharya

28.11. 2021	 **Central Sanskrit University** Shri Raghunath kirti Campus Devprayag -249301 I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture Series on *Post independence Indian Philosophy* On the occasion of the **World Philosophy Day** From November 18th – 30th, 2021 (28.11.2021) (4.00 PM to 6.00 PM) Program LIVE *Comparative view of Indian and western philosophy in the Post Independence era* (Dr.Sachchidanand Snehi) Co-ordinator (Prof. Vijaypal Shastri) Director	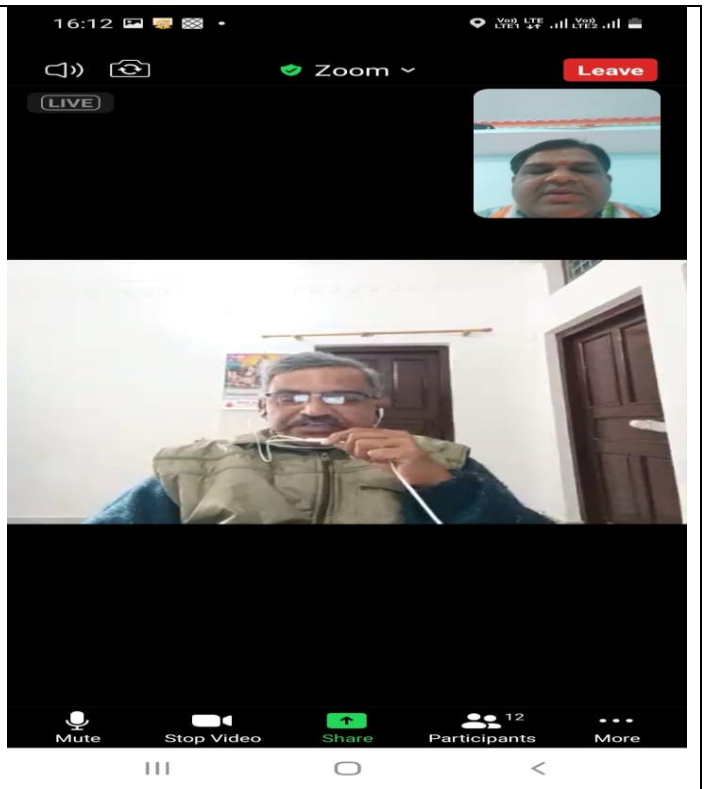 16:12 Zoom Leave LIVE Mute Stop Video Share 12 Participants More
	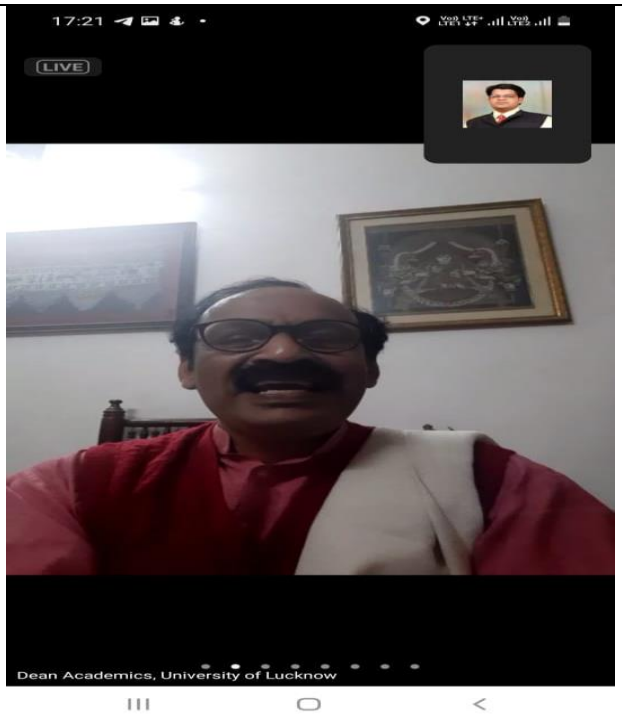 17:21 LIVE Dean Academics, University of Lucknow	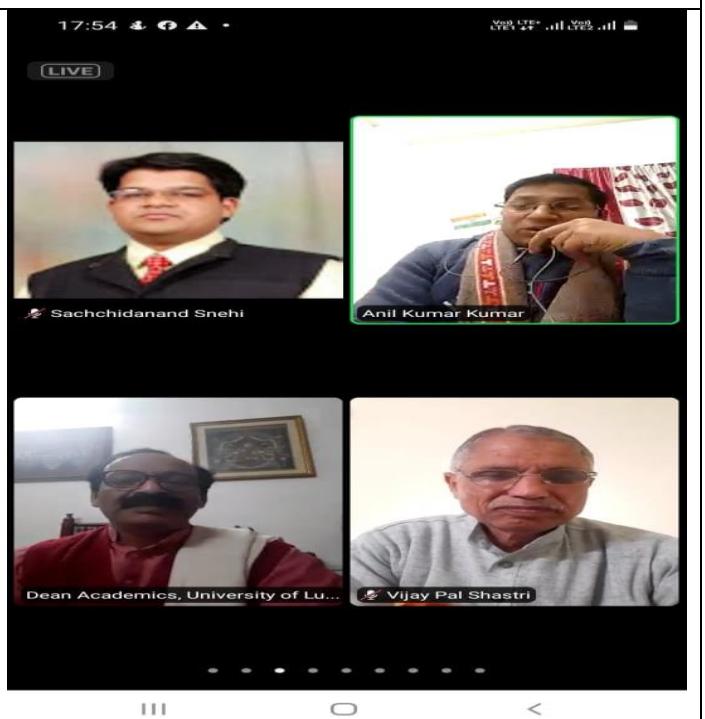 17:54 LIVE Sachchidanand Snehi Anil Kumar Kumar Dean Academics, University of Lu... Vijay Pal Shastri

30.11.
2021

ICPR
Central Sanskrit University
Shri Raghunath kirti Campus
Devprayag -249301
I.C.P.R. Sponsored Special Virtual Public lecture
Series on
Post independence Indian Philosophy
On the occasion of the
World Philosophy Day
From November 18th – 30th, 2021
(30.11.2021)
(4.00 PM to 6.00 PM)
Azadi Ka Amrit Mahotsav
WORLD PHILOSOPHY DAY
zoom
Program
LIVE
Valedictory Function
Nyaya Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era
Sr. No.
Topic
Guests/ Resource Persons
1. Session Convenor
Shri Janardan Subedi
Assistant Professor (GT)
Department of Nyaya Philosophy
Shri Raghunath Kirti Campus,
Devprayag-249301
2. Welcome By
Dr. Sachchidanand Snehi
Associate Professor & Head
Department of Nyaya Philosophy
Shri Raghunath Kirti Campus,
Devprayag-249301
5 Minutes
3. New Research Trends in Nyaya - Vaisheshika Philosophy
Prof. Shashi Prabha
EX-Vice chancellor
Sanchi University of Buddhist –Indic Studies
Sanchi Town, M.P.
30 Minutes
4. Nyaya -Vaisheshika Philosophy in the Post Independence era
Dr. Pankaj Mishra
Associate Professor
Department of Sanskrit
St. Stephen's College
University of Delhi,New Delhi
30 Minutes
5. Manuscript Based Research in Nyaya Vaisheshika Philosophy
Prof. K. E. Madhusudanan
Department of Nyaya
Central Sanakrit University
Guruvayur Campus
Thrissur ,Kerala
30 Minutes
6. Chairperson
Prof. Vijaypal Shastri
Director & Head
Department of Sahitya
Shri Raghunath Kirti Campus
Devprayag-249301
20 Minutes
7. Vote of Thanks
Shri Manish Sharma
Assistant Professor (GT)
Department of Vyakaran
Shri Raghunath Kirti Campus,
Devprayag-249301
5 Minutes
(Dr.Sachchidanand Snehi)
Co-ordinator
(Prof. Vijaypal Shastri)
Director

16:17
LIVE
Shashi

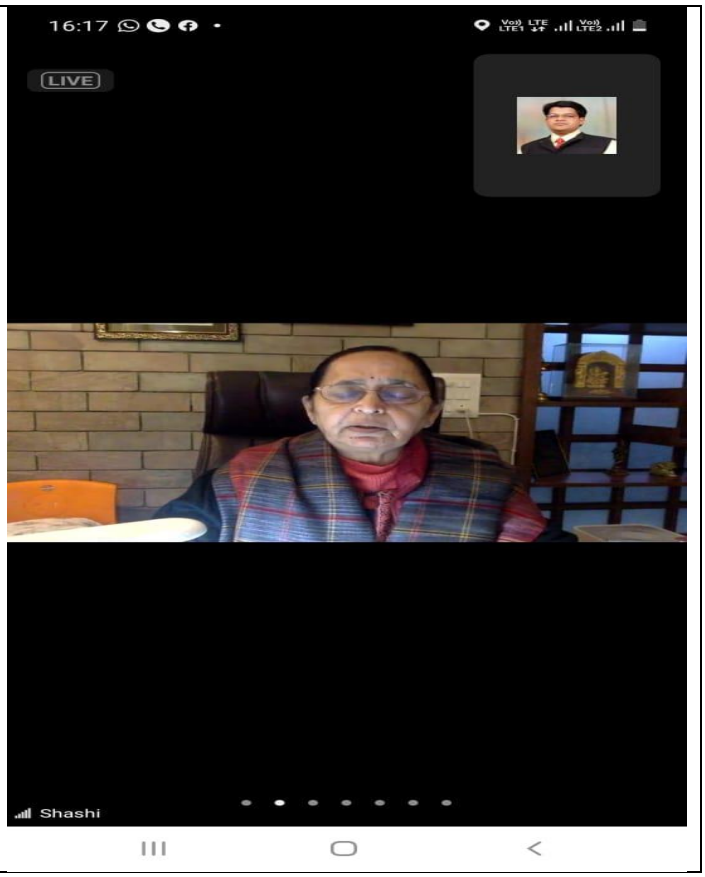

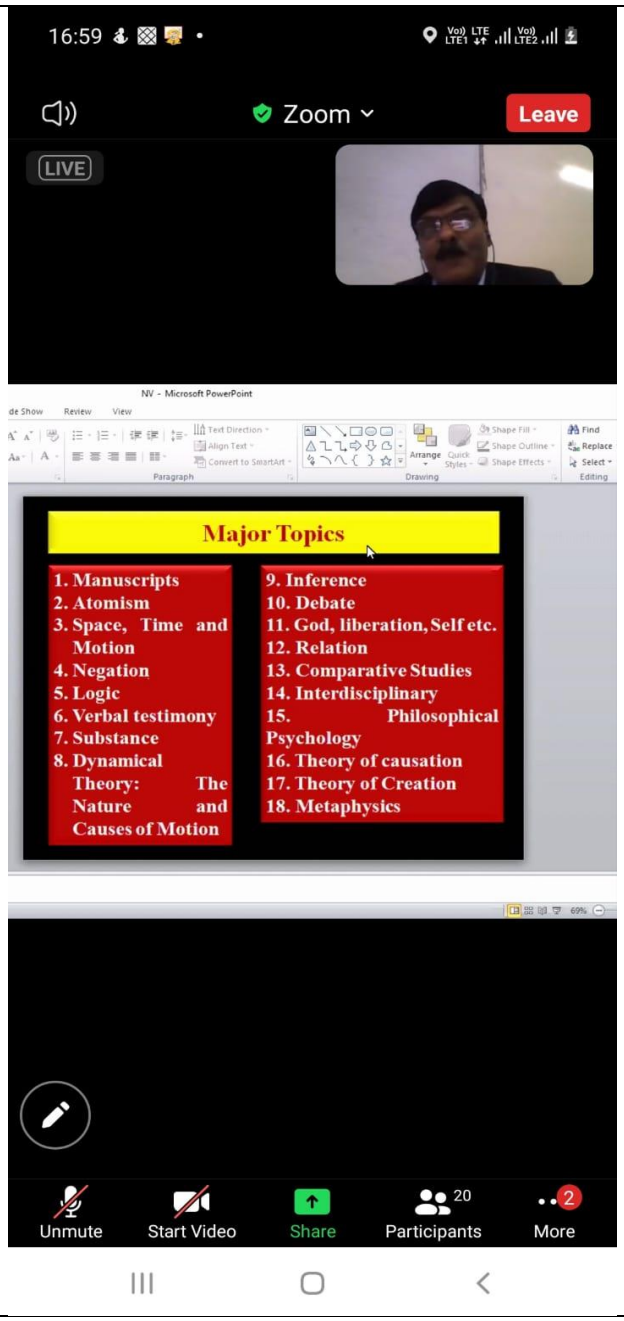
16:59
Zoom
Leave
LIVE
NV - Microsoft PowerPoint
Major Topics
1. Manuscripts
2. Atomism
3. Space, Time and Motion
4. Negation
5. Logic
6. Verbal testimony
7. Substance
8. Dynamical Theory: The Nature and Causes of Motion
9. Inference
10. Debate
11. God, liberation, Self etc.
12. Relation
13. Comparative Studies
14. Interdisciplinary
15. Philosophical Psychology
16. Theory of causation
17. Theory of Creation
18. Metaphysics
Unmute
Start Video
Share
Participants
20
More
2

18:12
LIVE
JAGDISH JAT
Vijay Pal Shastri